हिंदी दैनिक

उदय समाचार

एक नई सोच

वर्ष : 01 अंक : 220 कानपुर, रविवार 7 अगस्त 2022 पृष्ठ :4 मूल्य : 2 रूपये

■ कानपुर में मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने तीन बच्चियों को बचाया

सीएम योगी ने रक्षाबंधन पर महिलाओं को दिया बड़ा तोहफा, यूपीएसआरटीसी की बसों में दो दिन फ्री यात्रा

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रक्षाबंधन के पर्व को देखते हुए महिलाओं को लेकर एक बड़ा फैसला लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि उत्तर प्रदेश सड़क परिवहन निगम की बसों में यात्रा करने वाली महिलाओं से रक्षा बंधन के त्योहार पर उनकी यात्रा के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। सीएम के इस ऐलान के बाद महिलाओं के बीच खुशी का माहौल है। अब वो असानी से अपने भाईयों को राखी बांधने के लिए एक जगह से दूसरे जगह आ जा सकेंगी। यूपी सरकार सरकार ने घोषणा की है कि त्योहार के दिन ज्यादातर महिलाएं यूपीएसआरटीसी की बसों से यात्रा करती हैं। ऐसे में यह निर्णय लिया गया है कि किसी भी मार्ग पर महिलाओं से कोई शुल्क नहीं लिया जाएगा। इसके अलावा, महिलाएं भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 10 अगस्त की मध्यरात्रि से 12 अगस्त की मध्यरात्रि तक यूपीएसआरटीसी की बसों में मुफ्त यात्रा कर सकती हैं। परिवहन निगम के एक अधिकारी ने बतायाक रक्षाबंधन के अवसर पर उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन निगम को राज्य की सभी महिलाओं की सुरक्षित यात्रा के लिए बसों में मुफ्त यात्रा सुविधा प्रदान की

गई है।

जो भी महिलाएं निगम की बसों से यात्रा करना चाहेंगी वह फ्री में एक जगह से दूसरे जगह तक आ जा सकती हैं। हालांकि आजादी का अमृत महोत्सव को चिह्नित करने के उद्देश्य से, यूपी के सीएम ने कहा कि महिलाएं 10 अगस्त की मध्यरात्रि से 12 अगस्त की मध्यरात्रि तक 48 घंटों के लिए मुफ्त यात्रा कर सकती हैं।

तिरंगे का नाम लेकर दंगे का नाम जोड़ना महापाप, अखिलेश के बयान पर केशव प्रसाद मौर्य का पलटवार

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने एक बार फिर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधा है. ये निशाना उन्होंने अखिलेश यादव के उस बयान पर साधा है जिसमें उन्होंने बीजेपी की तिरंगा यात्रा के दौरान दंगे की आशंका की बात कही थी. केशव प्रसाद मौर्य ने कहा अखिलेश यादव इस समय विचलित और बेचौन हैं. जब आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा, हर घर तिरंगा लगाने का अभियान चलाया जा रहा. यह पूरा देश उत्सव के वातावरण में हो. उस समय तिरंगे का नाम लेकर के दंगे का नाम जोड़ना महापाप है । डिप्टी सीएम मौर्य ने कहा, अखिलेश यादव को अपना कार्यकाल याद आता है क्योंकि उनके कार्यकाल में हर दिन दंगे

होते थे. बीजेपी सरकार के कार्यकाल में एक भी दंगा नहीं हुआ. दंगाइयों को भी चेतावनी देना चाहता हूं कि गलती से भी उत्तर प्रदेश में दंगा के बारे में न सोचे. मैं जानता हूं कि सपा के पास अपराधी है, गुंडे हैं, माफिया हैं, दंगाई हैं । केशव प्रसाद ने आगे कहा, उनके पास इस प्रकार के लोगों की कमी नहीं है लेकिन पांच साल में वह जान गए हैं कि अगर ऐसा गड़बड़ करेंगे तो बख्शे नहीं जाएंगे. मुझे नहीं लगता कि अगर अखिलेश यादव चाहेंगे तो भी कोई दंगाई दंगा करने की साजिश करेगा और अगर करेगा तो कठोर कार्रवाई का सामना करेगा. हमारा विभाग और सरकार सब लोग मिलकर तैयारियों में जुटे हैं. विभाग की दृष्टि से कहें तो हमारी महिला स्वयं सहायता समूह भी तिरंगा निर्माण के काम में लगी है. इससे जहां उन्हें रोजगार मिला है तो दूसरी तरफ भारत माता की पूजा के लिए वह अपना योगदान दे पा रही हैं ।

कैबिनेट विस्तार रुकने के बाद बड़ा फैसला, सचिवों को सौंपे गए मंत्री और राज्य मंत्रियों के अधिकार

महाराष्ट्र में शिवसेना (शिंदे गुट) और बीजेपी की सरकार का 5 अगस्त को होने वाला कैबिनेट विस्तार टल गया है. महाराष्ट्र मंत्रिमंडल का विस्तार लटकने से अब मंत्री और राज्य मंत्रियों के अधिकार सचिवों को सौंपे गए हैं. महाराष्ट्र में मंत्री ना होने की वजह से कई विभागों के कामों पर असर पड़ रहा है जिसकी वजह से कई विकास के काम अटके पड़े हैं । बता दें कि मंत्रियों द्वारा लिए जाने वाले फैसले, कई आदेश जिसकी तुरंत जरूरत होती है के सभी अधिकार मंत्रियों के पास होते हैं. गृह, राजस्व और शहरी विकास मंत्रालय में कई अपीलें पिछले महीने भर से लंबित हैं. वहीं नई सरकार बने 36 दिनों से ज्यादा का वक्त हो गया है, लेकिन अभी तक मंत्रिमंडल नहीं बन पाया है. मंत्रिमंडल नहीं बनने से अब इसका असर विभागों पर पड़ रहा है. इसलिए मंत्रियों के सभी अधिकार सचिवों को देने का फैसला सरकार ने किया है. राज्य के मुख्य सचिव द्वारा इसके

आदेश जारी किए गए हैं । बता दें कि 5 अगस्त को जो कैबिनेट का संभावित विस्तार होने वाला था. यानी महाराष्ट्र में मंत्रिमंडल विस्तार के लिए अभी और इंतजार करना होगा. सूत्रों के मुताबिक, अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद ही कैबिनेट का विस्तार होने की उम्मीद है. वहीं गुरुवार को महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस ने दिल्ली में पार्टी के बड़े नेताओं से कैबिनेट विस्तार के मुद्दे को लेकर मुलाकात की थी ।

वहीं गुरुवार को महाराष्ट्र के कैबिनेट विस्तार को लेकर तस्वीर साफ हो गई थी. मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की कैबिनेट का विस्तार 5 अगस्त को होने वाला था. महाराष्ट्र सरकार बनने के लंबे समय के बाद बीजेपी और शिवसेना (शिंदे गुट) में सरकार में मंत्रियों को लेकर सहमति भी बन गई है. बीजेपी के कोटे से आठ विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे, तो वहीं शिंदे खेमें से सात विधायक मंत्री पद की शपथ लेंगे. लेकिन इस लिस्ट में महाराष्ट्र की पूर्ववर्ती देवेन्द्र फडणवीस सरकार में मंत्री रहे कई सीनियर विधायकों का पत्ता काट दिया गया है ।

पहाड़ी नेताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर मांगा एसटी का दर्जा

पहाड़ी भाषाई नेताओं ने नई दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात कर पहाड़ी भाषाई लोगों को एसटी का दर्जा देने की मांग उठाई, ताकि पहाडियों को जल्द से जल्द उनका हक मिल सके। बैठक के दौरान भाजपा के महासचिव विबोध गुप्ता ने अमित शाह को बताया कि पहाड़ी जनजाति जम्मू कश्मीर में 12 लाख की एक बड़ी आबादी का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि यह जनजाति पिछले कई दशकों से केंद्रशासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में रहने वाले गुज्जरों, बक्करवालों की तरह एसटी का दर्जा हासिल करने लिए संघर्ष कर रही है। पहाड़ी जनजाति की दुर्दशा पर प्रकाश डालते हुए पहाड़ी नेताओं ने कहा कि एलओसी के करीब होने के कारण यह समुदाय अतीत में विभाजन से दो युद्धों और आतंकवाद के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित हुआ है। उन्होंने पहाड़ी जनजाति को चार प्रतिशत आरक्षण प्रदान करने और पहाड़ी लोगों की दुर्दशा को पहचानने के लिए अमित शाह और केंद्र सरकार को धन्यवाद दिया। आज पहाड़ी जनजाति को केंद्रीय नेतृत्व से विशेष रूप से प्रधानमंत्री मोदी और अमित शाह से बहुत उम्मीदें हैं। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने पहाड़ी नेताओं की वास्तविक मांगों पर प्रतिक्रिया देते हुए और उन्हें आश्वासन दिया कि पहाड़ी समुदाय की सभी वास्तविक मांगों और चिंताओं का ध्यान रखा जाएगा। शाह ने कहा कि राजौरी, पुंछ, उड़ी, केरन और केरनाह, शोपियां व पहलगाम जिले में रहने वाले पहाड़ी लोगों के साथ इस बार मोदी सरकार न्याय करेगी। उन्होंने आगे कहा कि मोदी सरकार पहाड़ी जनजाति के वास्तविक मुद्दों के बारे में पूरी तरह से जागरूक है और देश के लिए इस देशभक्त समुदाय

द्वारा किए गए महान बलिदानों को भी पहचानती है। उन्होंने पहाड़ी नेताओं को यह भी आश्वासन दिया कि सबका साथ, सबका विकास मोदी सरकार का मिशन है और हम इसका पालन करेंगे। पहाड़ी समुदाय को न्याय दिया जाएगा।इस अवसर पर अमित शाह ने जोर देकर कहा कि पूरे देश के लोग जम्मू कश्मीर से प्यार करते हैं। उन्होंने पहाड़ी नेताओं से प्रधनमंत्री मोदी के विजन और मिशन के अनुरूप एक मजबूत और जीवंत नए जम्मू कश्मीर को बनाने के लिए मिशन मोड में काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर पूर्व मंत्री मुश्ताक बुखारी, मुहम्मद इकबाल मलिक, मुहम्मद रफीक चिश्ती, पूर्व एमएलसी सईद रफीक शाह, डीडीसी सदस्य कयूम मीर, डीडीसी सदस्य सोहेल मलिक, राजा वकार आसिफ, खुर्शीद अहमद मीर, अहसान मिर्जा, गुरुदेव ठाकुर, सईद अल्ताफ आदि पहाड़ी नेता मौजूद थे।

पंजाब सीएम ने किसानों से किया वादा निभाया, 789 किसान परिवारों को दी आर्थिक मदद

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने किसानों के साथ किया एक और वायदा पूरा कर दिया है. पंजाब के मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि राज्य सरकार ने काले खेती कानूनों के खिलाफ संघर्ष के दौरान जान गंवाने वाले 789 किसानों के परिवारों को 39.55 करोड़ रुपए की आर्थिक मदद मुहैया कराने का काम पूरा कर दिया है । मुख्यमंत्री ने बताया कि जान गंवाने वाले किसानों के परिवारों को राज्य सरकार की तरफ से वित्तीय मदद के तौर पर पांच लाख रुपए प्रति परिवार दिए गए हैं. उन्होंने बताया कि मानसा के 89 परिवारों को कुल 4.60 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद दी गई, जबकि तरन तारन के 21 परिवारों को 1.05 करोड़ रुपए, संगरूर के 117 परिवारों को 5.85 करोड़ रुपए, मोगा के 69 परिवारों को 3.45 करोड़ रुपए, फाजिल्का के 10 परिवारों को 50 लाख रुपए, लुधियाना के 48 परिवारों को 2.37 करोड़ रुपए, बरनाला के 43 परिवारों को 2.15 करोड़ रुपए, पटियाला के 111 परिवारों को 5.55 करोड़ रुपए, अमृतसर के 19 परिवारों को 95 लाख रुपए, शहीद भगत सिंह नगर

के सात परिवारों को 35 लाख रुपए, एस. ए. एस. नगर के 10 परिवारों को 50 लाख रुपए और बठिंडा के 83 परिवारों को कुल 4.15 करोड़ रुपए की वित्तीय मदद दी गई । मुख्यमंत्री ने कहा कि इसी तरह राज्य सरकार ने श्री मुक्तसर साहिब के 35 परिवारों को कुल 1.73 करोड़ रुपए, गुरदासपुर के 20 परिवारों को एक करोड़ रुपए, फतेहगढ़ साहिब के 24 परिवारों को 1.20 करोड़ रुपए, जालंधर के 12 परिवारों को 60 लाख रुपए, फिरोजपुर के 15 परिवारों को 75 लाख रुपए, होशियारपुर के 10 परिवारों 50 लाख रुपए, कपूरथला के एक परिवार को पांच लाख रुपए, मालेरकोटला के चार परिवारों को 20 लाख रुपए, फरीदकोट के 30 परिवारों को 1.50 करोड़ रुपए और रूपनगर के 11 परिवारों को 55 लाख रुपए की वित्तीय मदद मुहैया करवाई गई है. भगवंत मान ने कहा कि किसानों और उनके परिवारों के हितों की रक्षा करना राज्य सरकार का फर्ज बनता है. उन्होंने स्पष्ट कहा कि राज्य के अनाज उत्पादकों के साथ किये हर वादे को पूरा किया जायेगा । मुख्यमंत्री ने पंजाब के किसानों को मौजूदा खेती संकट में से निकालने के लिए राज्य सरकार की वचनबद्धता दोहराई. उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने मूंगी को वैकल्पिक फसल के तौर पर पेश किया है, जिसकी न्यूतनम समर्थन मूल्य (एम. एस. पी.) पर खरीद की जा रही है. भगवंत मान ने आगे कहा कि राज्य सरकार ने धान की सीधी बुवाई करने वाले किसानों को भी वित्तीय सहायता दी है ।

देश को मिल गया नया उपराष्ट्रपति, जगदीप धनखड़ ने भारी मतों से मार्गरेट अल्वा को हराया

देश को नया उपराष्ट्रपति मिल गया है. एनडीए उम्मीदवार जगदीप धनखड़ ने भारी मतों से जीत दर्ज की है. उपराष्ट्रपति चुनाव में उन्होंने विपक्ष की संयुक्त उम्मीदवार मार्गरेट अल्वा को हराया है. धनखड़ को 528 वोट मिले, जबकि अल्वा को 182 वोट प्राप्त हुए. वहीं, 15 वोटों को रद्द कर दिया गया. जगदीप धनखड़ मौजूदा उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 10 अगस्त को समाप्त हो रहा है और नए उपराष्ट्रपति 11 अगस्त को शपथ लेंगे. बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव में 780 सांसदों में से 725 ने मतदान किया । दरअसल, संसद के दोनों सदनों को मिलाकर कुल सदस्यों की संख्या 788 होती है, जिनमें से उच्च सदन की आठ सीट फिलहाल खाली है. ऐसे में उपराष्ट्रपति चुनाव में 780 सांसद वोट डालने के लिए पात्र थे. वहीं सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस के 36 सांसदों में केवल 2 सांसदों ने वोट डाले जबकि 34 सांसदों ने वोट नहीं डाले. दरअसल, तृणमूल कांग्रेस ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह मतदान से दूर रहेगी. उसके

दोनों सदनों को मिलाकर कुल 39 सांसद हैं । बता दें कि उपराष्ट्रपति चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी समेत लगभग 93 फीसदी सांसदों ने मतदान किया, जबकि 50 से अधिक सांसदों ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल नहीं किया. सुभेंदु अधिकारी के पिता शिशिर अधिकारी और भाई दुब्येंदु अधिकारी ने पार्टी की उपराष्ट्रपति चुनाव में वोटिंग बायकॉट की घोषणा के बावजूद भी वोटिंग की. वहीं, बीजेपी सांसद शनि देओल और संजय धोत्रे ने स्वास्थ्य कारणों से वोट नहीं डाला. उधर, समाजवादी पार्टी से मुलायम सिंह और बी एस पी से सफीकुर्र रहमान ने वोट नहीं डाला । धनखड़ के जीतने के बाद एक अजीब संयोग बना है. लोकसभा के अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति एक ही राज्य से हैं. वर्तमान में ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं और वह राजस्थान के कोटा संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं. उपराष्ट्रपति राज्यसभा के पदेन सभापति भी होते हैं. बता दें कि पश्चिम बंगाल के पूर्व राज्यपाल जगदीप धनखड़ राजस्थान के प्रभावशाली जाट समुदाय से ताल्लुक रखते हैं. उनकी पृष्ठभूमि समाजवादी रही है । धनखड़ 1989 के लोकसभा चुनाव में झुंझुनू से सांसद चुने जाने के बाद उन्होंने 1990 में संसदीय मामलों के राज्य मंत्री के रूप में कार्य किया. वह वीपी सिंह और चंद्रशेखर की सरकार में मंत्री भी रहे. 1991 में धनखड़ जनता दल छोड़कर कांग्रेस में शामिल हो गए. वहीं, 1993 में वह अजमेर के किशनगढ़ से विधायक बने. इसके बाद 2003 में वह कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में शामिल हो गए. जुलाई 2019 में धनखड़ को पश्चिम बंगाल का राज्यपाल नियुक्त किया गया था और तब से राज्य की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की आलोचना करने को लेकर वह अक्सर सुर्खियों में रहे हैं ।

सम्पादकीय

ऐतिहासिक है शतरंज ओलिंपियाड

चेन्नई में चल रहा 44वां शतरंज ओलिंपियाड अनेक मायनों में ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण है. यह पहला अवसर है, जब यह आयोजन भारत में हो रहा है. अगर हम इस खेल आयोजन को प्रतिभागी देशों की संख्या और उसकी लोकप्रियता की दृष्टि से देखें, तो 2010 में आयोजित कॉमनवेल्थ खेल के बाद हमारे देश में होने वाला सबसे बड़ा आयोजन है. अनेक खेल विशेषज्ञ और खेलों से जुड़े लोग यह भी मानते हैं कि चेस ओलिंपियाड कॉमनवेल्थ से भी बड़ा आयोजन है.

उल्लेखनीय है कि विभिन्न देशों के बड़े खिलाड़ियों से बनी टीमें तो हिस्सा लेती ही हैं, वहीं एक देश से एक से अधिक टीमें भी प्रतियोगिता में भाग लेती हैं. इस आयोजन के संदर्भ में यह बात भी रेखांकित की जानी चाहिए कि खेल प्रतियोगिताओं के आयोजक के रूप में भारत की क्षमता हाल के समय में बढ़ी है. इस बार का चेस ओलिंपियाड पहले रूस में आयोजित होने वाला था, लेकिन कोरोना महामारी से जुड़ी समस्याओं तथा रूस–यूक्रेन युद्ध के कारण वहां इसका आयोजन होना लगभग असंभव हो गया था. रूस ने आयोजन से मना करते हुए यह भी कहा कि अगर वे इसे आयोजित करते भी हैं, तो वर्तमान स्थिति में बहुत से देश इसमें शामिल नहीं होंगे और यह एक राजनीतिक मसला बन जायेगा. यह शतरंज ओलिंपियाड के महत्व के लिए नुकसानदेह हो सकता था.

ऐसी स्थिति में इतने कम समय में इस प्रतियोगिता का आयोजन कर पाना किसी भी देश के लिए आसान मामला नहीं था, लेकिन भारत और चेस फेडरेशन ऑफ इंडिया ने आगे बढ़ कर पहल की और इसका आयोजन सफलतापूर्वक चल रहा है. इस संदर्भ में तमिलनाडु सरकार और मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के उत्साह को क्रेडिट दिया जाना चाहिए. इस बार के चेस ओलिंपियाड में पहली बार टॉर्च रिले रखा गया. यह बहुत ही सकारात्मक पहल है. जगह–जगह इस टॉर्च रिले के जाने से इस आयोजन के बारे में जागरूकता बढ़ी. देशभर में इसका जोरदार स्वागत भी हुआ. यह शतरंज की लोकप्रियता को भी इंगित करता है. चेस के अंतरराष्ट्रीय संगठन ने घोषणा की है कि आगे जब–जब यह ओलिंपियाड होगा, उसमें टॉर्च रिले होगा तथा इसकी शुरुआत हमेशा भारत से होगी. इसकी बड़ी वजह यह है कि हमारे इतिहास में भी चेस का खासा महत्व रहा है. भारत में शतरंज की सबसे अधिक लोकप्रियता तमिलनाडु में है और हमारे अधिकतर ग्रैंडमास्टर उसी राज्य से आते हैं. चेस के सबसे बड़े खिलाड़ी मूलतः तमिलनाडु से हैं, हालांकि अब वे नॉर्वे के नागरिक बन गये हैं. तमिलनाडु में चेस की पुरानी परंपरा रही है और वहां इसे हमेशा बढ़ावा भी दिया जाता रहा है. वहां ऐसे लोगों की तादाद भी बहुत है, जो चेस को समझते हैं. शतरंज के जो दर्शक होते हैं, वे अन्य खेलों के दर्शकों की तरह नहीं होते.

अभी यह आयोजन चल ही रहा है और तमाम उलट–फेर हो रहे हैं. इसलिए नतीजों पर अभी चर्चा करने का कोई मतलब नहीं है. भारत की टीम–ए फिलहाल 11वें पायदान पर है, पर किशोरों से भारी टीम–बी ओपन कैटेगरी में शीर्ष पर है. इस आयोजन से और हमारे खिलाड़ियों के प्रदर्शन से निश्चित ही देश में शतरंज के प्रति आकर्षण में बढ़ोतरी की उम्मीद है.

यह भी उल्लेखनीय है कि इस ओलिंपियाड का उद्घाटन तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की उपस्थिति में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया है. किसी भी खेल को और उसके आयोजन को जब ऐसे लोकप्रिय नेताओं और सरकारों का समर्थन मिलता है तथा दुनियाभर के नामी–गिरामी खिलाड़ी भारत आकर चेस खेलते हैं, तो इसका सकारात्मक प्रभाव अवश्य होगा. जहां तक प्रतिस्पर्धात्मक शतरंज की बात है, तो भारत ने इसमें अपनी एक पहचान बनायी है. भारत उन कुछ देशों में गिना जाता है, जिनकी टीमों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है. इस आयोजन में हमारी टीम–बी के अच्छे प्रदर्शन से यह जाहिर होता है कि आने वाले समय के लिए हमारे पास प्रतिभाओं का एक समूह तैयार हो रहा है, जो विश्व पटल पर अपनी धाक जमा सकता है.

इस आयोजन से, विशेष रूप से हमारे खिलाड़ियों के अच्छे प्रदर्शन से देशभर के बच्चों एवं किशोरों में उत्साह का संचार होगा तथा जहां भी चेस के प्रशिक्षण की व्यवस्था है, वहां नयी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने का प्रयास होगा. यह सभी जानते हैं कि शतरंज मुख्यतः एक मानसिक खेल है. इसमें जो विश्लेषण की प्रक्रिया होती है, वह बहुत अहम है. प्रतिस्पर्धात्मक शतरंज में अलग–अलग खिलाड़ियों के साथ खेलना और आयोजनों में भाग लेना यानी एक्सपोजर भी बहुत मायने रखता है. दक्षिण भारत, विशेषकर तमिलनाडु, में यह हुआ है कि वहां चेस कल्चर को हमेशा बढ़ावा मिलता रहा है. ऐसा नहीं हो सकता कि हम एक बार चेस ओलिंपियाड कर लें या टॉर्च रिले कर लें और खेल के भविष्य को लेकर निश्चिंत हो जाएं.

इन चीजों से उत्साह और जागरूकता में वृद्धि जरूर होगी, लेकिन अगर हम चेस को गंभीरता से देशभर में प्रसारित करना चाहते हैं, तो दक्षिण के चेस कल्चर को देश के अन्य भागों में भी स्थापित करना होगा. हमें बड़े खिलाड़ियों और उभरते खिलाड़ियों को जुटा कर खेल आयोजन कराने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. इससे प्रतिभाओं को सामने लाने के अवसर बढ़ेंगे और हम विश्व शतरंज में बेहतर हो सकेंगे.

उदय समाचार

दैनिक

स्वामी प्रकाशक व मुद्रक उदय कुशवाहा द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स साकेत नगर कानपुर नगर (उ प्र) से छपवाकर कार्यालय - जवाहर नगर पूर्वी घाटमपुर कानपुर नगर से प्रकाशित।

संपादक

उदय कुशवाहा

Title Code - UPHIN49938

नोट- समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों की होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कानपुर न्यायालय मान्य होगा।

राष्ट्रीय हथकरघा दिवस - 7 अगस्त

हर साल 7 अगस्त को देश में राष्ट्रीय हथकरघा दिवस यानी कि राष्ट्रीय हैंडलूम डे मनाया जाता है । इसी दिन 1905 में स्वदेशी आंदोलन शुरू हुआ था । कोलकाता के टाउनहॉल में एक जनसभा में स्वदेशी आंदोलन की औपचारिक रूप से शुरुआत की गई थी. भारत सरकार इसी की याद में हर वर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस के तौर पर मनाता है । हैंडलूम उद्योग भारत की सांस्कृतिक विरासत का एक अहम हिस्सा है. मंत्रालय के बयान के मुताबिक यह आजीविका का एक जरूरी स्रोत बना हुआ है. खासकर उन महिलाओं के लिए जो इस क्षेत्र के बुनकरों का लगभग 70 फीसद हैं. यह दिन हथकरघा समुदाय को सम्मानित करने और भारत के सामाजिक–आर्थिक विकास में उनके योगदान को स्वीकार करने के लिए मनाया जाता है । भारत में हथकरघा क्षेत्र समय के साथ–साथ सबसे महत्वपूर्ण कुटीर व्यापार के रूप में उभरता गया. हथकरघा बुनकर कपास, रेशम और ऊन के समान शुद्ध रेशों का उपयोग कर माल तैयार करते रहे हैं. राष्ट्रीय हथकरघा दिवस आयोजित करने का मूल लक्ष्य भारत के सामाजिक आर्थिक सुधार में हथकरघा के योगदान को स्पष्ट करना है. प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर बुनकरों को काम के विकल्प के बारे में जानकारी देने के लिए सरकार कार्यशालाएं आयोजित करती है । हथकरघा उद्योग प्राचीनकाल से ही हाथ के कारीगरों को आजीविका प्रदान करता आया है. हथकरघा उद्योग से निर्मित सामानों का विदेशों में भी खूब निर्यात किया जाता है. माना जाता है कि इस उद्योग के विभिन्न कार्यों में लाखों लोग लगे हुए हैं. लेकिन अगर उनकी आर्थिक स्थिति की बात की जाये तो कहा जा सकता है कि तमाम सरकारी दावों के बावजूद उनकी स्थिति दयनीय ही बनी हुई है । 2015 से प्रत्येक वर्ष 7 अगस्त को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाया जाता है। 2014 में भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने 7 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस मनाने की घोषणा की है। मनाने का उद्देश्य लघु और मध्यम बुनकरों को बढ़वा देना। 2022 को आठवां राष्ट्रीय हाथकरघा दिवस मनाया जा रहा है। यह दिन देश में हथकरघा बुनकरों को सम्मानित करने और हथकरघा उद्योग को उजागर करने के लिए मनाया जाता है। 2014 में भाजपा सरकार सत्ता में आने के बाद 7 अगस्त 2015 को राष्ट्रीय हथकरघा दिवस मनाने की घोषणा की है। इसका उद्देश्य लघु और मध्यम उद्योग को बढ़वा देने के लिए प्रधान मंत्री ने शुरुआत की है। यह वस्त्र मंत्रालय के अन्तर्गत आता है। इस वर्ष यानि 2022 में 7 अगस्त, 2022, रविवार को मनाया जायेगा। हथकरघा भारत की विरासत है। जिसे आधुनिक उपकरण के विकसित हो जाने के बात लोग इससे दूर होते चले गये। अंग्रेजी सत्ता आने के पहले भारत में हथकरघा काफी चरम पर था। लेकिन अंग्रेजी सत्ता आने के बाद मशीनीकरण होने के बाद लोग हथकरघा को कम महत्व देने लगे। धीरे–धीरे हथकरघा विलुप्त होता गया। 2014 में एनडीए सरकार को सत्ता में आने के बाद नये प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2015 को लाल किले से इसे मनाने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को चुनाव आयोग ने दी बड़ी खुशखबरी, मणिपुर में मिला राज्य पार्टी का दर्जा

शनिवार को निर्वाचन आयोग की तरफ से जेडीयू को बड़ी खुशखबरी मिली है. पार्टी को बिहार और अरुणाचल प्रदेश के बाद मणिपुर में भी राज्य पार्टी का दर्जा प्राप्त हो गया है. भारतीय निर्वाचन आयोग ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह को पत्र लिखकर इसकी जानकारी दी है. मणिपुर विधानसभा चुनाव में जेडीयू ने राज्य में छह सीट जीतकर बेहतर प्रदर्शन किया था. पार्टी को राज्य में कुल मतदान का 10.70 प्रतिशत वोट मिला था. इसके बाद से राज्य पार्टी बनने के लिए जेडीयू का वादा मजबूत माना जा रहा था. जेडीयू को राज्य पार्टी का दर्जा प्राप्त होने से समझा जा रहा है कि मणिपुर में उसकी पकड़ मजबूत होगी.

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को आयोग ने लिखा पत्र

प्रक्रिया के तहत निर्वाचन आयोग ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष को लिखे पत्र में कहा है कि बिहार और अरुणाचल प्रदेश में जेडीयू को राज्य स्तरीय दल का दर्जा पहले से ही हासिल है. चुनाव चिह्न 'तीर' है.

इलेक्शन सिंबल्स (रिजर्वेशन एंड एलॉटमेंट) आदेश 1968 के प्रावधानों के आलोक में जेडीयू को चुनाव आयोग ने यह दर्जा दिया है. बिहार, अरुणाचल प्रदेश, मणिपुर अब तीन राज्यों में मान्यता प्राप्त पार्टी जेडीयू हो गई है.

2019 के अरुणाचल प्रदेश विधानसभा चुनाव में पार्टी को मिले थे सात सीट

गौरतलब है कि अरूणाचल प्रदेश में वर्ष 2019 में हुए विधानसभा चुनाव में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन किया था. वहां पार्टी ने सात सीटों पर कब्जा जमाया था. इस चुनाव में पार्टी को कुल मतदान का 9.88 प्रतिशत शीट मिला था. हालांकि वहां बाद में पार्टी में फूट हुई. इसके बाद पार्टी के छह विधायक ने बीजेपी का हाथ थाम लिया. वहीं बिहार विधानसभा में 2020 में पार्टी का बेहतरीन प्रदर्शन रहा. पार्टी ने 43 सीटों पर कब्जा जमाकर कुल मतदान का 16 प्रतिशत वोट पाया था.

बिना गठबंधन ने नागालैंड में पार्टी लड़ेगी चुनाव

नागालैंड में होने वाले चुनाव की तैयारी में भी जेडीयू लगी हुई है. पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह पहले बता चुके हैं कि पार्टी नागालैंग में बिना गठबंधन के अकेले चुनाव लड़ेगी. यहां 2018 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने एक सीट जीता था.

इसमें पार्टी ने कुल मतदान के 5.6 प्रतिशत वोट प्राप्त किया था. अगर इस बार जेडीयू यहां अच्छा प्रदर्शन करती है तो भविष्य में चार राज्यों में पार्टी को मान्यता मिल जाएगी. ऐसे में पार्टी को राष्ट्रीय पार्टी की मान्यता मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा.

योगी सरकार के मंत्री राकेश सचान गिट्टी चोरी के मामले में दोषी करार, सपा हुई भाजपा पर हमलावर

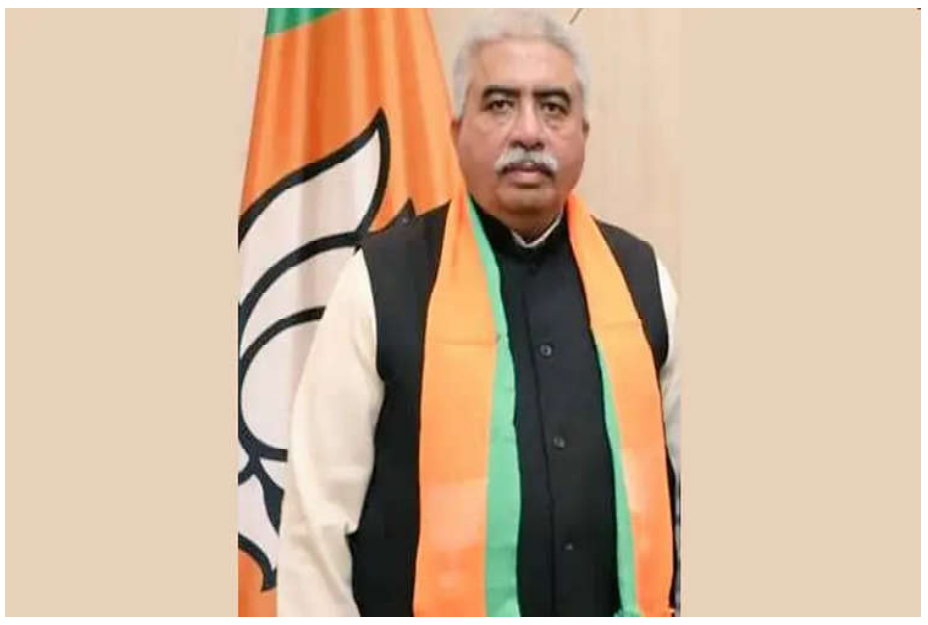

सरकारी गिट्टीचोर फरार मंत्री के घर/द्वार/प्रतिष्ठान पर बुलडोजर कब चलाएंगे ? बताएं योगीजी!

त्तर प्रदेश सरकार में मंत्री राकेश सचान को कानपुर की एसीएमएम तृतीय कोर्ट ने दोषी करार देते हुए फैसला सुरक्षित कर लिया है. बता दे किउनके खिलाफ गिट्टी चोरी का मामला कोर्ट में विचाराधीन था.जिसमे कोर्ट में शनिवार को मंत्री राकेश सचान पेशी पर कोर्ट पहुंचे थे. हांलाकि राकेश सचान का कहना है कि उन्हें कोर्ट के फैसले के बारे में कोई जानकारी नहीं है.

गिट्टी चोरी का था मामला

यूपी सरकार में मंत्री राकेश सचान के खिलाफ रेलवे की ठेकेदारी के दौरान गिट्टी चोरी होने पर आइपीसी की धारा 389 और 411 में मुकदमा दर्ज किया गया था. चोरी गई गिट्टी की बरामदगी भी हो गई थी. वही आज कोर्ट में पेशी के लिए उनको बुलाया गया था. ऐसे भी आरोप लगे कि कोर्ट में पेशी के दौरान जज के सामने ही उनके वकील ने कागज छीन लिए और कोर्ट से फरार हो गए.

राकेश सचान का कैरियर

बता दें कि राकेश सचिन कानपुर में किदवई नगर के रहने वाले है राकेश सचान ने अपनी राजनीति की शुरुआत समाजवादी पार्टी से की थी.सबसे पहले वह 1993 और 2002 में वह घाटमपुर विधानसभा सीट से विधायक रहे और 2009 में उन्होंने फतेहपुर लोकसभा सीट से चुनाव जीता था. उन्होंने बसपा के महेंद्र प्रसाद निषाद को करीब एक लाख वोटों से हराया था. राकेश सचान मुलायम सिंह और शिवपाल सिंह के बेहद करीबी माने जाते थे. वहीं सपा से उनकी तकरार हो गई तब उन्होंने कांग्रेस का दामन थाम लिया था.और 2022 विधानसभा चुनाव से पहले उन्होंने भाजपा का दामन थामा और भोगनीपुर सीट से चुनाव लड़े और जीत हासिल की. राकेश सचान वर्तमान में योगी कैबिनेट में एमएसएमई मंत्री है

सपा ने कसा तंज

वहीं राकेश सचान के कोर्ट से फरार और सजा होने पर समाजवादी पार्टी ने भी ट्वीट करके योगी सरकार पर तंज कसा है. सपा ने ट्वीट कर कहा कि सरकारी गिट्टी चोरी के मामले में आज भाजपा सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान को कोर्ट में दोषी करार दिया और सजा सुनाई,सजा सुनते ही मंत्री कोर्ट से फरार हो गए, अब योगी जी बताएं कि अपने इस

मुफ्त की रेवड़ी बयान पर वरुण गांधी ने अपनी ही सरकार को घेरा, कहा- सरकारी खजाने पर पहला हक किसका?

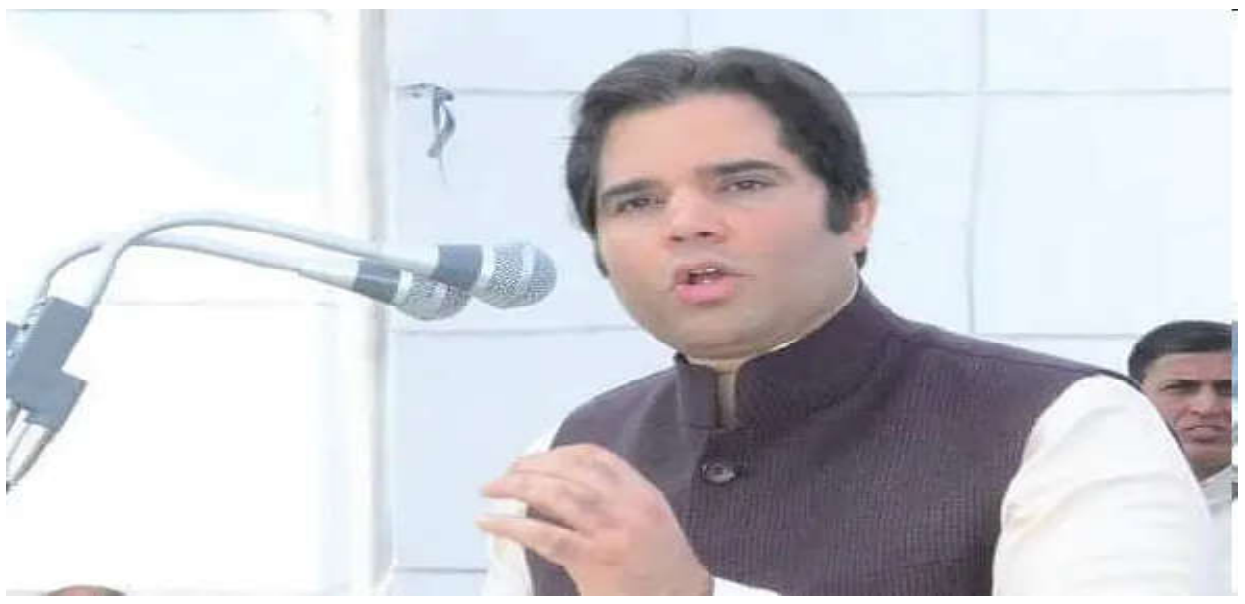

को जन्म दे दिया है. मोदी ने कहा था कि यह देश के विकास के लिए बेहद नुकसानदेह है.

भारतीय जनता पार्टी के सांसद वरुण गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ष्मुफ्त की रेवड़ीष् वाली टिप्पणी को लेकर सरकार पर निशाना साधते हुए शनिवार को कहा कि पिछले पांच साल में भ्रष्ट कारोबारियों का 10 लाख करोड़ रुपये तक का कर्ज माफ किया गया. वरुण गांधी ने संसद में सरकार की ओर से शीर्ष 10 भगोड़े कारोबारियों की सूची को ट्विटर पर साझा करते हुए यह सवाल किया.

मुफ्त की रेवड़ी लेने वालों में इन कारोबारियों के नाम

वरुण गांधी ने ट्वीट किया, जो सदन गरीब को पांच किलोग्राम राशन दिए जाने पर धन्यवाद की आकांक्षा रखता है. वही सदन बताता है कि पांच वर्षों में भ्रष्ट धनपशुओं का 10 लाख करोड़ रुपये तक का कर्ज माफ हुआ है. मुफ्त की रेवड़ी लेने वालों में मेहुल चोकसी और ऋषि अग्रवाल का नाम शीर्ष पर है. सरकारी खजाने पर आखिर पहला हक किसका है?

संसद में जारी सूची को बनाया आधार

वरुण गांधी ने अपने ट्वीट में संसद में पेश की गई सूची को आधार बनाते हुए कहा. बता दें कि संसद में एक चर्चा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के एक अन्य सांसद की उस टिप्पणी का परोक्ष रूप से जिक्र कर रहे थे जिसमें कहा गया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोविडघ्ध्–19 के दौरान 80 करोड़ गरीब लोगों को मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध करा रहे हैं. प्रधानमंत्री ने हाल में चुनावी लाभ के लिए कुछ राजनीतिक दलों द्वारा मुफ्त की सेवाएं मुहैया कराने की पेशकश के लिए उनकी आलोचना कर एक नयी बहस

पीलीभीत से सांसद है वरुण

आपको बता दें कि वरुण गांधी उत्तर प्रदेश के पीलीभीत–बरेली लोकसभा से भाजपा के सांसद हैं. वे ट्वीट के जरिए अपनी ही सरकार को घेरते रहते हैं. बेरोजगारी, महंगाई समेत अन्य मुद्दों पर वरुण केंद्र और राज्य सरकार से सवाल उठाते रहते हैं.

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कार्यकर्ताओं ने वृक्षारोपण कर किया जागरूक

उदय समाचार । कानपुर । अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कानपुर प्रांत के घाटमपुर के द्वारा एसेंट पब्लिक स्कूल में वृक्ष रोपण का अभियान चलाया गया, जिसके अंतर्गत छात्रों एवं अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं द्वारा पौधारोपण भी किया गया, कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे प्रांत संगठन मंत्री अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद कानपुर प्रांत अंशुल विद्यार्थी द्वारा वृक्षों को जीवन की कड़ी बताते हुए अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का आह्वान भी किया गया ,कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य एमके माथुर ने भी वृक्षों को मनुष्य का मित्र बताते हुए सभी को वृक्षारोपण के लिए प्रेरित किया, कार्यक्रम में जिला संगठन मंत्री दीपक पाठक, प्रांत सोशल मीडिया पर प्रमुख शिवम साहू, विभाग सह संयोजक हिमांशु, जिला संयोजक पवन कुशवाहा, तहसील संयोजक अभय उमराव, नगर मंत्री उत्कर्ष ,अयान, अरुण आदि प्रमुख कार्यकर्ताओं के साथ–साथ विद्यालय के छात्र छात्राएं एवं विद्यार्थी परिषद के तमाम कार्यकर्ता भी मौके पर उपस्थित रहे ।

आवारा सुअरों से घाटमपुर कस्बावासी परेशान, गंदगी में रहने को मजबूर

उदय समाचार । कानपुर । घाटमपुर कस्बे के आछी मोहाल पश्चिमी, गांधी विद्यापीठ इंटर कॉलेज के पीछे शास्त्री नगर, कुष्मांडा नगर, जवाहर नगर की बस्ती में घूम रहे आवारा सुअर लोगों के घरों में घुसकर गंदगी फैलाने का कार्य कर रहे हैं, वहीं आवारा सुअरो से फैलने वाली गंदगी एवं बीमारी भी लोगों को परेशान किए हुए हैं, सूअरों से निजात ना मिलने से मोहल्ले के लोग बेहद परेशान हैं, मोहल्ला निवासी जगराम ,राम अवतार, मुकेश, संदीप आदि द्वारा बताया गया कि आवारा सुअर गंदगी फैलाने के साथ–साथ बीमारियों को दावत दे रहे हैं, समस्या पर नगरपालिका के जिम्मेदार अधिकारी अंजन बने बैठे हैं । जहां भारत सरकार स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत का सपना देख रही है, वहीं गंदगी फैलाते सूअर सरकार के स्वच्छता मिशन को पलीता लगा रहे हैं ।

अज्ञात वाहन की टक्कर से युवक की दर्दनाक मौत

मजदूरी का पैसा लेने जा रहा था युवक, हुआ घटना का शिकार

कानपुर । घाटमपुर तहसील क्षेत्र के दौलतपुर गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवक को मारी टक्कर युवक की हालत हुई गंभीर गंभीर अवस्था में सीएससी घाटमपुर लाया गया, जहां युवक को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया, सूचना परिजनों को दी गई, परिजनों का रो–रोकर है बुरे हाल बता दें कि सजेती थाना क्षेत्र के धरमगदपुर गांव निवासी शैलेंद्र उम्र 28 वर्ष जो कि कानपुर देहात रसूलाबाद में मजदूरी कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था, शनिवार को करीब 2 बजे वह बाइक से कानपुर देहात

रसूलाबाद में रहने वाले ठेकेदार से अपना बकाया का पैसा लेने जा रहा था, कभी सजेती थाना क्षेत्र के दौलतपुर गांव के पास पहुंचा तभी, अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक उछलकर रोड के किनारे गिर गई, जिससे बाइक सवार शैलेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गया राहगीरों की सूचना पर डायल 112 पहुंचकर घायल अवस्था में शैलेंद्र को सीएससी घाटमपुर पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया सूचना परिजनों को दी गई परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है ।

कानपुर में मानव तस्करी गिरोह का भंडाफोड़, पुलिस ने तीन बच्चियों को बचाया

कानपुर । पश्चिम बंगाल और नेपाल से लाकर गोविंद नगर में बड़े घरानों को बेची गईं तीन बच्चियों को शुक्रवार को सोशियो लीगल इंफॉर्मेशन सेंटर के पदाधिकारियों ने उनके चंगुल से छुड़ाया। बच्चियों से दिन रात काम कराया जा रहा था और यातनाएं दी जा रही थीं। बच्चियों ने किसी तरह से फोन पर घटना की जानकारी परिजनों को दी थी। गोविंद नगर इंस्पेक्टर रोहित तिवारी ने बताया कि श्रम विभाग व अपर नगर मजिस्ट्रेट की टीम थाने आई थी। उनके साथ गोविंद नगर यू ब्लॉक निवासी अंकुर पाखरानी के मकान में छापा मारकर पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी निवासी दो बच्चियों को बरामद किया गया। वहीं, ग्वालटोली इंस्पेक्टर धनंजय सिंह ने बताया कि गुरुवार रात टीम ने सिविल लाइंस स्थित प्रखर जैन के मकान से नेपाल की रहने वाली बच्ची को बरामद किया। सोशियो लीगल इंफॉर्मेशन सेंटर की सदस्य अधिवक्ता नंदिनी वर्मा ने बताया कि इन बच्चियों को नीलम कंसल्टेंसी के एजेंट ने 23 जून को शहर में इन लोगों के हवाले किया था। इसके बदले में मोटी रकम ली गई थी। बच्चियों ने फोन पर अपने परिजनों से संपर्क किया था।

परिजनों ने नेपाल स्थित संस्था से मदद मांगी थी। इसके बाद टीम ने डीएम विशाख जी. से संपर्क कर तीनों को आजाद कराया है। पुलिस के मुताबिक जिन बच्चियों को बंधन मुक्त कराया गया, उन्होंने बताया कि एजेंसी ने रोजगार दिलाने का झांसा दिया था। यहां मालिकों के हवाले कर दिया, जो दिन रात घर के काम कराने लगे। घर के बाहर तक नहीं जाने देते थे। फोन पर परिजनों से बात भी नहीं करने देते थे। टीम बच्चियों को कोर्ट ले गई, जहां से उन्हें नारी निकेतन केंद्र भेजा गया। एजेंट ने तीनों का सौदा एक–एक लाख रुपये में किया था। संस्था की अधिवक्ता नंदिनी वर्मा ने बताया कि एजेंट की फोटो हाथ लगी है। तलाश की जा रही है। वहीं, श्रम विभाग की टीम शहर में इस तरह से बंधक बनाई गईं अन्य बच्चियों का पता कर रही है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ संपूर्ण समाधान दिवस, राजस्व शिकायतों की रही भरमार

171 शिकायतों में मात्र 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण

कानपुर । घाटमपुर तहसील स्थित सभागार कक्ष में शनिवार को तहसील दिवस का आयोजन किया गया। कानपुर डीएम और एसडीएम समेत अधिकारियों ने यहां पर पहुंचे फरियादियों की समस्या को सुना है। तहसील दिवस में कुल 171 शिकायतें आई। जिसमें से 11 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। वही 95 राजस्व विभाग, 40 पुलिस विभाग, 11 विकास विभाग, 5 नगर पालिका, 8 बिजली विभाग और एक अन्य शिकायत को संबंधित विभाग के अधिकारियों को निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया है। इस दौरान यहां पर राजस्व विभाग से संबंधित ज्यादा शिकायते देखकर तहसीलदार को फटकार लगाई। साथ ही समस्या के निस्तारण के निर्देश दिए है। शनिवार को घाटमपुर तहसील स्थित सभागार कक्ष में तहसील दिवस का आयोजन हुआ। कानपुर डीएम विशाख जी, घाटमपुर एसडीएम अमित गुप्ता समेत अन्य अधिकारियों ने यहां पर आए लोगों की शिकायत को सुना । बीते कई बार से घाटमपुर में तहसील दिवस में शिकायतों के मामले में राजस्व विभाग अव्वल रहा है। यहां पर कानपुर डीएम विशाख जी के सामने राजस्व विभाग की बेसिक शिकायतें ज्यादा आई। जिस पर जिलाधिकारी ने घाटमपुर तहसीलदार सत्य प्रकाश को फटकार लगाते हुए बेसिक शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया है। इस दौरान यहां पर समस्त विभाग के अधिकरी मौजूद रहे ।मामले में कानपुर डीएम विशाख जी ने बताया कि यहां पर आई शिकायतों को संबंधित विभाग के अधिकारियों को जल्द निस्तारित करने के लिए निस्तारित किया है।

संपूर्ण समाधान दिवस आई 92 शिकायतें, जल्द निस्तारण के आदेश

कानपुर । नरवल तहसील में शनिवार को सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता एसडीएम ने की। जिसमें हर बार की तरह इस बार भी राजस्व से सम्बंधित शिकायतों का अंबार लग गया। फरियादियों की शिकायत सुनने के लिए जैसे ही एसडीएम कुर्सी में बैठे वैसे ही फरियादियों की लंबी लाइन लगना शुरू हो गई। महोली गांव के रहने वाले श्याम जी ने बताया कि पड़ोसी द्वारा जबरन नाली के कब्जे को लेकर वह करीब एक साल से तहसील और महाराजपुर थाना के चक्कर लगा रहे है लेकिन अभी तक कोई कार्रवाई नही हुई है वहीं तिलसहरी गांव निवासी शिवसागर शुक्ला ने बताया कि वह अपनी ही जमीन पाने के लिए 3 साल से बराबर नरवल तहसील और महाराजपुर थाना में शिकायत पत्र दे रहें हैं। एसडीएम गुलाब चन्द्र अग्रहरि ने कहा कि, सम्पूर्ण समाधान दिवस में करीब 92 शिकायतें प्राप्त हुई है जिसमें राजस्व से संबंधित सबसे ज्यादा शिकायतें मिली है। संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि सभी शिकायतों का जल्द से जल्द निस्तारण किया जाए। कुछ शिकायतों पर संबंधित अधिकारियों को मौके पर जाकर जांच करके कार्रवाई का भी आदेश दिया गया है।

बदमाशों ने दंपती समेत तीन को पीटकर की लूटपाट, जांच में जुटी पुलिस

फतेहपुर । जिले में बदमाशों ने दंपती समेत तीन को पीटकर शुक्रवार रात लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद बदमाश अपने बचाव में दंपती की बेटी को पांच सौ मीटर तक साथ ले गए। दंपती और उनके घर में रहने वाला एक छात्र गंभीर रूप से घायल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल से कानपुर हैलट रेफर किया गया है। एसपी और फोरेंसिक टीम मौके पर जांच को पहुंची। पुलिस एफआईआर दर्ज कर जांच में जुटी है। एसपी ने बताया कि घायलों के बयान के बाद लूटपाट कितने की हुई यह स्पष्ट हो सकेगा।

अरविंद की तहरीर पर मुकदमा दर्ज किया गया है। हिमांशु और सुमित्रा को काफी चोट आई है।

फैक्ट्री में काम कर रहे युवक की मौत, परिजनों ने फैक्ट्री के बाहर किया हंगामा

उन्नाव । अचलगंज थाना क्षेत्र के जमुका के पास बनी बजाज पेपर लिमिटेड फैक्ट्री में काम कर रहे मजदूर की मौत हो गई। मजदूर को प्राइवेट गाड़ी से उपचार के लिए फैक्ट्री के लोगों ने जिला अस्पताल में पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उसको मृत घोषित कर दिया। फैक्ट्री मैनेजर ने परिजनों को घटना की जानकारी दी। मजदूर की मौत की खबर सुन कर परिवार में कोहराम मच गया। परिवार और ग्रामीण फैक्ट्री के बाहर पहुंच कर हंगामा करने लगे। हंगामे की सूचना पर पुलिस और एसडीएम ने मौके पर पहुंच कर ग्रामीण और परिवार वालों को समझा कर मुआवजा देने की

बात कर हंगामे को शान्त करा दिया। एसडीएम सदर ने बताया की संतोष कुमार फैक्ट्री में स्वीपर का काम कर रहे थे। उनकी मशीन में फंस जाने की वजह से मृत्यु हो गई। जिसके बाद परिवार के लोगों ने फैक्ट्री के बाहर पहुंचे और शव रखकर हंगामा करने लगे। इसकी सूचना पर स्थानीय पुलिस ने समझाने का प्रयास किया लेकिन परिजन नही माने।

मुआवजे की बात पर ग्रामीणों और परिजनों ने हंगामा बंद किया। मृतक की पत्नी को 4 लाख रुपए का मुआवजा वहीं तीनों बच्चों के नाम 2–2 लाख रुपए का फिक्स डिपाजिट कराया गया है और जब तक बच्चे 21 साल के नहीं हो जाते तब तक पांच हजार रुपए प्रति माह फैक्ट्री द्वारा अकाउंट में भेजे जाएंगे। वहीं 50 हजार रुपए अंतिम संस्कार के लिए भी दिए गए हैं।

हर घर तिरंगा - तिरंगा यात्रा निकल कर की अभियान को सफल बनाने की अपील

उदय समाचार । फतेहपुर । घर घर तिरंगा यात्रा अभियान के तहत डाक विभाग के अधिकारी व कर्मियों ने बच्चे के साथ तिरंगा यात्रा निकाली। दूसरी ओर समाजसेवी यूथ आइकॉन ने स्कूली बच्चों को तिरंगा झंडा देकर घर पर फहराने के साथ अभियान को फसल बनाने की अपील की है। प्रदेश सरकार के आदेश पर फतेहपुर जिले में 11 से 18 अगस्त तक हर घर अभियान के तहत डाक विभाग के डाक अधीक्षक अतुल कुमार शर्मा के नेतृत्व में स्कूली व कर्मियों ने तिरंगा यात्रा डाक घर से निकलकर शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए पटेल नगर होकर वापस डाकघर में सम्पन्न हुई। डाक अधीक्षक अतुल कुमार शर्मा ने बताया कि आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हर घर तिरंगा अभियान के तहत तिरंगा झंडा यात्रा निकलकर लोगों को अभियान को फसल बनाने की अपील किया गया है। वहीं दूसरी ओर समाजसेवी/यूथ आइकॉन अनुराग श्रीवास्तव ने 105 स्कूली बच्चों को तिरंगा झंडा देकर 13 से 15 अगस्त तक घरों में फहराने की अपील किया। उन्होंने कहा कि तिरंगा झंडा हमारे देश की

आन बान शान है। राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान के साथ अपने घर पर फहराए और राष्ट्रगान जरूर करें।साथ ही उन्होंने बच्चों को जल संरक्षण के लिए जल के महत्व को लेकर जानकारी दी।

राष्ट्रीय पर्व को अमृत महोत्सव के रूप में मनाए जाने के लिए महिला मोर्चा ने प्रधानमंत्री के सपनों को साकार करने का लिया संकल्प

'हमीरपुर'–देश स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव मना रहा है! इस मौके पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा देश के प्रत्येक गाँव,शहर की गलियों में तिरंगा यात्रा निकाल कर ज़न–ज़न में यह संदेश फैलाकर 13 अगस्त से 15 अगस्त के बीच देश के सम्पूर्ण घरों में राष्ट्रीय तिरंगा फहराने के लिए लोगों को जागरूक कर रहे हैं! इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी जिलाध्यक्ष बृज किशोर गुप्ता के नेतृत्व में प्रत्येक शक्ति केंद्र एवं सेक्टर में भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारियों की उपस्थिति में जोरदार तैयारी की जा रही है! जिला मीडिया प्रभारी अरविंद श्रीवास्तव ने बताया की आगामी राष्ट्रीय पर्व को बहुत ही उत्साह के साथ मनाया जाएगा और भारत के प्रधानमंत्री यशस्वी नरेंद्र मोदी के सपनों को साकार कर के दिखाया जाएगा घर–घर तिरंगा झंडा भी फहराया जाना प्रस्तावित है!

जिसकी तैयारी के लिए भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय हमीरपुर में सदर विधायक डॉ मनोज प्रजापति की उपस्थिति में महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष आराधना राजपूत ने अपने सभी मंडल की अध्यक्ष के साथ तिरंगा अभियान को सफल बनाने के लिए बैठक की! इस बैठक में महिला मोर्चा क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शकुंतला निषाद क्षेत्रीय सदस्य मीना यादव भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेंद्र तिवारी महिला मोर्चा जिला उपाध्यक्ष नीतू दुबेदी मंडल अध्यक्ष सुमेरपुर गीता वर्मा प्रभा द्विवेदी सीमा वर्मा ममता रवि गुप्ता अंजलि इत्यादि सभी मातृशक्ति उपस्थित रही !

हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने हेतु छात्र छात्राएं निभाएंगे अहम भूमिका – राहुल राज रस्तोगी

श्रावस्ती । भारतीय जनता पार्टी श्रावस्ती इकाई द्वारा हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने तथा जिले में 2 लाख तिरंगा का लक्ष्य पूरा करने हेतु जिओए के शिक्षण संस्थानों में संपर्क किया। इसी क्रम में जिला प्रभारी/क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवध क्षेत्र राहुल राज रस्तोगी द्वारा हरिहरपुर विकासखंड के शिवालिक महाविद्यालय में प्रातः प्रार्थना के बाद छात्र छात्राओं से संवाद किया। इस दौरान जिला प्रभारी राहुल राज रस्तोगी ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए बताया कि तिरंगा देश के केवल राष्ट्रीय ध्वज ही नही बल्कि भारत देश के स्वाभिमान का शिलालेख है। आज़ादी के स्वतंत्रता संग्राम में असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा अपने प्राणों का ही नही बल्कि अपना सर्वस्व कुर्बान कर दिया तब जाकर हमें आज़ादी मिली। इस समय आज़ादी की 75वीं वर्षगांठ पर आज़ादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है जिसको भव्य और ऐतहासिक बनाने के लिए हर घर तिरंगा अभियान के अंतर्गत हर घर पर तिरंगा लगाने की योजना है जिसे परिवार का सबसे छोटा सदस्य फहरायेगा ताकि नई पीढ़ी को आज़ादी के इस अमृत महोत्सव से जोड़ा जा सके। इस हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाने की ज़िमेदारी आप सभी छात्र छात्राओं पर है। इस दौरान जिला प्रभारी द्वारा छात्र व छात्राओं को

तिरंगा वितरित भी किया गया। जिला महामंत्री रमन सिंह ने कहाकि हम सभी के लिए पहली बार ऐसा अवसर आया है कि हर नागरिक अपने राष्ट्र के प्रति अपना आस्था अपनी श्रद्धा अपने घर पर तिरंगा लगाकर व्यक्त कर सकता है। इज़ दौरान जिला मीडिया प्रभारी संजू तिवारी, प्रधानायपक अमित सिंह तथा सेंकडों छात्र छात्राएं उपस्थित रही।

पुलिस ने फ्लैग मार्च कर दिलाया सुरक्षा का एहसास

श्रावस्ती । ब्लॉक जमुनहा क्षेत्र के अंतर्गत आगमी मोहर्रम को शांति पूर्ण ढंग से मनाया जाने के लिए पुलिस व पी ए सी के जवानों ने गांव बनगई का भ्रमण कर जज लिया साथी लोगों को सुरक्षा व्यवस्था का एहसास दिलाया इस दौरान व्यवस्था चाक–चौबंद दिखी, आपको बताते चलें मोहर्रम को शांति पूर्ण ढंग से मनाने के लिए उच्च अधिकारियों द्वारा लोगों से अपील की गई और फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का एहसास दिलाया गया ।

'मौदहा कस्बे का ऐतिहासिक पलंग जुलूस अपने आप में रखता है महत्व'

हमीरपुर'– मोहर्रम का महीना शुरू होते ही इस माह की पांचवीं तारीख से जुलूसों का दौर शुरू हो जाता है, जिसमें पांचवीं को आलम तथा सातवीं को ऐतिहासिक पलंग का जुलूस निकाला जाता है, जिसमें दूर दराज के लोगों का इस ऐतिहासिक पलंग के जुलूस में शामिल होना लगभग तय माना जाता है। यह जुलूस कजियाना मोहल्ला के गंदीघर इमामबाड़े से फातहा के बाद निकाला जाता है जो अपने तय मार्गों से होता हुआ सुबह 4 बजे अपने मुकामी स्थल पर समाप्त होता है।अवगत हो कि मोहर्रम माह की सात तारीख को यहां ऐतिहासिक पलंग का जुलूस अपने आप में महत्व रखता है, जिसमें लगभग दस हजार से अधिक लोगों के इकट्ठा होने की संभावना जताई जाती है। इस ऐतिहासिक जुलूस में जगह जगह लोग अपनी हैसियत के अनुसार लंगर का आयोजन भी करते हैं। यह जुलूस मौदहा कस्बे के कजियाना मोहल्ला स्थित गंदीघर इमामबाड़े से शुरू होकर जगह जगह रूकते हुए अपने तय मार्ग से होते हुए अगले दिन सुबह लगभग 4 बजे अपने मुकामी स्थल पर पहुंच कर समाप्त होता है। इस जुलूस में लोग पलंग के पीछे पीछे चलते हुए दुआएं और मन्नतें मांगते हुए चलते हैं और मांगी गई दुआओं व मन्नतों के पूरा होने पर अपनी श्रद्धा अनुसार चढ़ावा भी चढ़ाते हैं। अवगत हो कि यह सभी जुलूसों व ताजिया का आयोजन इस्लाम धर्म के संस्थापक हज़रत मोहम्मद साहब के नवासों द्वारा करबला की जंग में शहीद होने के बाद उनकी याद में किया जाता है, जिसमें लोग उनके द्वारा किये गये त्याग और बलिदान को स्मरण करते हुए अपने ऊपर पड़ने वाले दुखों को त्यागने का सबब बनाते हैं। फिलहाल इस ऐतिहासिक जुलूस में पुलिस भी अपनी सतर्कता बरते हुए हैं और उपजिलाधिकारी सुरेंद्र कुमार सिंह तथा क्षेत्राधिकारी विवेक यादव सहित कोतवाली प्रभारी पवन कुमार पटेल भारी पुलिस बल के साथ जुलूस के आगे आगे चलते हुए शांति पूर्वक जुलूस सम्पन्न करवाया।

जिला कारागार में बंद कैदी की मौत, मधुमेह से ग्रस्त था मृतक

इटावा । जिले में भरथना थाना क्षेत्र के गांव सरैया निवासी अरविंद (56) अपहरण के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे थे। वह 2015 से जेल में बंद थे। शुक्रवार की शाम को वह अचानक गिर पडे। जानकारी मिलने पर जेल कर्मी मौके पर पहुंचे और जेल के डॉक्टर को बुलाया। हालत गंभीर देखते हुए उसे जिला अस्पताल भिजवाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जेल प्रशासन ने परिजनों को इसकी

जानकारी दी। परिवार के लोग मौके पर पहुंचे पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। मृतक के पुत्र अवनीश कुमार ने बताया कि तीन दिन पूर्व उसकी मां मिलने के आई थी तब उन्होंने बीमार होने की बात नहीं बताई थी। उसने पोस्टमार्टम सही तरीके से कराए जाने की मांग की है। जेल अधीक्षक डॉ. रामधनी ने बताया कि कैदी मधुमेह से ग्रस्त था। उसकी अचानक तबियत बिगड़ी थी।

अक्टूबर माह में होगा प्रथम लक्ष्मण महोत्सव का आयोजन

लखनऊ । भगवान श्री राम के अनुज भगवान श्री लक्ष्मण की नगरी लखनऊ में आगामी अक्टूबर माह में लखनऊ जनकल्याण महासंघ द्वारा जनेश्वर मिश्र पार्क में लक्ष्मण महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। लखनऊ जनकल्याण महासंघ के अध्यक्ष तथा महोत्सव के संयोजक के. के. सिंह ने विधानसभा मार्ग स्थित चरण होटल में आयोजित बैठक दी। बैठक में लखनऊ के विभिन्न क्षेत्रों से लोग शामिल हुए। कार्यक्रम के संयोजक एवं लखनऊ जनकल्याण महासंघ के अध्यक्ष के. के. सिंह ने बताया कि भारत में पहली बार आयोजित

हो रहे लक्ष्मण महोत्सव के स्वरूप एवं उद्देश्य के लिए जन आंदोलन किया जाएगा। जिसकी शुरुआत हो चुकी है। भगवान लक्ष्मण और माता उर्मिला के त्याग और तपस्या तथा उनके राज्य के विषय में लोगों में जनजागृति उत्पन्न करना है। कार्यक्रम के सह संयोजक रूप कुमार शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जनजागरण अभियान चलाया जाएगा तथा शहर के प्रत्येक क्षेत्र में कार्यकर्ताओं का चयन किया जाएगा। बैठक में विष्णु तिवारी, कृपाशंकर मिश्रा, हिमांशु सिंह, प्रमोद द्विवेदी, रितेंद्र नाथ मिश्रा, जयकरन सिंह, वंदना पटेल, दया नन्द सिंह, सरिता शर्मा, सारिका श्रीवास्तव, नीरज मिश्रा, सुमित मिश्रा, कार्तिकेय मिश्र, संजीव त्रिपाठी, आशीष कुमार दीक्षित, अनुज द्विवेदी शामिल रहे तथा उन्होंने अपने अपने क्षेत्रों में लक्ष्मण महोत्सव को सफल बनाने के लिए संकल्प लिया।

जनपद में कोरोना के बाद शांतिपूर्ण ढंग से जिले में मनाया जा रहा है मुहर्रम

'हमीरपुर'– इस्लाम के नए साल के पहले महीने को मुहर्रम का महीना कहा जाता है! इसके 10वे दिन रोज–ए–आशूरा होता है! इसी दिन तमाम देशों में हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में मुहर्रम मनाया जाता है! इस्लामिक साल के पहले महीने को मुहर्रम का महीना कहा जाता है! मुहर्रम के महीने के 10वें दिन रोज–ए–आशूरा होता है इसी दिन मुहर्रम मनाया जाता है! इस्लाम धर्म के अनुयायी मुहर्रम की एक तारीख से दस तारीख तक ताजियादारी करते हैं और अपने प्यारे नबी के शहादत पाए नवासे इमाम हसन व हुसैन की सच्चाई की राह पर अडिग रहते हुए दी गयी कुर्बानी को याद करते हैं। आशूरा को इस्लामिक इतिहास के सबसे शोक के दिनों में से एक माना जाता है! ये मातम का पर्व होता है! इस दिन हजरत इमाम हुसैन की शहादत की याद में तमाम देशों में मुसलमान लंगर करते हैं और जुलूस निकालते हैं और इमाम हुसैन के इंसानियत के पैगाम को लोगों तक पहुंचाते हैं! इमाम हुसैन, पैगंबर मोहम्मद के नाती थे, जो कर्बला की जंग में शहीद हुए थे. कहा जाता है कि मोहम्मद साहब के मरने के लगभग 50 वर्ष बाद मक्का से दूर कर्बला के गवर्नर यजीद ने खुद को खलीफा घोषित कर दिया था!तब के कर्बला को आज सीरिया कहा जाता है! इसके बाद यजीद ने लोगों को खौफ में लाने के लिए उन पर अत्याचार शुरू कर दिया! यजीद की मंशा इस्लाम का शंहशाह बनने की थी और वो पूरे अरब पर कब्जा

करना चाहता था ! उस समय इमाम हुसैन ने यजीद को खलीफा मानने से इनकार कर दिया! इमाम हुसैन की बगावत से नाराज होकर यजीद ने अपने राज्यपाल वलीद पुत्र अतुवा को फरमान लिखा, 'तुम हुसैन से मेरे आदेश का पालन करवाओ, अगर वो नहीं माने तो उसका सिर काटकर मेरे पास भेजा जाए! राज्यपाल ने हुसैन को राजभवन बुलाकर यजीद का फरमान सुनाया, लेकिन इमाम हुसैन ने अपने घुटने नहीं टेके और यजीद को व्याभिचारी बताकर उसका आदेश मानने से इनकार कर दिया. इसके बाद इमाम हुसैन मक्का शरीफ पहुंचे, ताकि हज पूरा कर सकें. वहां यजीद ने अपने सैनिकों को यात्री बनाकर हुसैन का कत्ल करने के लिए भेजा. इस बात का पता हुसैन को चल गया ! मक्का जैसे पवित्र स्थान पर हत्या को हराम मानते हुए उन्होंने खून–खराबे से बचने के लिए वे हज के बजाय उसकी छोटी प्रथा उमरा करके परिवार सहित इराक चले आए. मोहर्रम महीने की दो तारीख 61 हिजरी को हुसैन अपने परिवार के साथ कर्बला में थे. 9 तारीख तक यजीद की सेना को सही रास्ते पर लाने के लिए वे कोशिश करते रहे. किसी के न मानने पर हुसैन ने कहा कि मुझे एक रात अल्लाह की इबादत के लिए दे दो. इस रात को 'आशूर की रात' कहा जाता है ! हुसैन के काफिले में 72 लोग थे और यजीद के पास 8000 से अधिक सैनिक थे. लेकिन फिर भी उन लोगों ने यजीद की सेना का डटकर सामना किया. हालांकि युद्ध करते करते हुसैन के सारे 72 फॉलोअर्स मारे गए. सिर्फ हुसैन जिंदा बच गए. ये लड़ाई मुहर्रम 2 से 6 तक चली. आखिरी दिन हुसैन ने अपने साथियों को कब्र में दफन कर दिया. 10वें दिन जब हुसैन नमाज अदा कर रहे थे, तभी यजीद ने उन्हें धोखे से मरवा दिया! हुसैन ने इस्लाम और मानवता के लिए अपनी जान कुर्बान की थी इसलिए इस दिन को आशूर यानी मातम का दिन माना जाता है. इस दिन उनकी कुर्बानी को याद किया जाता है! ताजिया निकाला जाता है। इसी क्रम में आज हमीरपुर के मुस्लिम भाईयों ने शांतिपूर्ण ताजिया एवं अलम निकाला।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

बहराइच । जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द की की अध्यक्षता में नानपारा तहसील में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। समाधान दिवस अवधि के बाद हर घर तिरंगा अभियान को गति प्रदान करने के लिए तिरंगा यात्रा तहसील सभागार से बहराइच नानपारा मुख्य मार्ग तक जिलाधिकारी बाहरी एव वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बहराइच के नेतृत्व में निकाली गयी। जिसका समापन जिलाधिकारी के उद्बोधन के साथ हुआ। जिलाधिकारी ने अध्यक्षता करते हुए जनता की समस्याओं को बहुत ही गंभीरता के साथ सुनने के उपरांत विभागीय अधिकारियों के माध्यम से मौके पर ही उनका निराकरण करने के संबंध में अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि कोई भी फरियादी समस्या के समाधान के उद्देश्य से ही सरकारी कार्यालयों में आता है। इसलिए जनता की समस्या का समाधान करना हम सबके लिए सर्वोपरि है। कोई भी फरियादी तहसील दिवस/किसी भी कार्यालय से निराश होकर नहीं जाना चाहिए। पारदर्शिता के आधार पर संबंधित को नियमानुसार न्याय दिया जाए। जब तक फरियादी द्वारा की गई शिकायत के समाधान से संतुष्ट नहीं हो जाएं तब तक शिकायत का समाधान नहीं माना जाएगा। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए शासन द्वारा

संचालित समस्त जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन–जन तक जनपद के हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचना चाहिए। संबंधित विभाग के अधिकारी सोशल मीडिया के माध्यम से अन्य माध्यमों से शासन की योजनाओं का व्यापक प्रचार–प्रसार कराएं। जिससे कि आम आदमी भी योजना से सीधे जुड़ सकें और लाभान्वित हो सकें।

पति ने सिर पर डंडा मारकर की पत्नी की हत्या

20 हजार रुपये को लेकर हुआ था विवाद

हरदोई । जिले के बेनीगंज कोतवाली क्षेत्र के ग्राम वाजिदपुरवा में पत्नी का पति ने 20 हजार रुपये को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान पति ने पत्नी के सिर पर डंडा मार दिया। जिससे पत्नी की मौत हो गई। पुलिस ने हत्यारोपी पति को गिरफ्तार कर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। गांव वाजिदपुरवा निवासी गीता (30) महावत जाति की थी। उसका 10 वर्ष पूर्व विवाद सीतापुर के मिश्रिख निवासी सर्वेश के साथ हुआ था। इन दिनों दंपती लखनऊ के पुरनिया में झुग्गी बनाकर रहते थे। उनके साथ में गीता का भाई बल्ला भी रहता था। परिजनों के मुताबिक बल्ला ने लोगों से मांग–मांगकर बहन के पास 20 हजार रुपये जमा किए थे। पति ने यह रुपये गीता से ले लिए थे। इससे नाराज होकर गीता शुक्रवार की शाम अपने मायके चली आई थी। उसके पीछे रात में पति भी शराब के नशे में आ गया।

जहां पर रुपयों को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इस विवाद में पति ने गीता के सिर पर डंडा मार दिया। मृतका की मां रमा देवी ने घटना की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतका की मां की तहरीर पर

आरोपी के खिलाफ गैर इरादतन हत्या की रिपोर्ट कर उसे गिरफ्तार कर लिया। कोतवाल इंद्रजीत सिंह ने बताया कि आरोपी को जेल भेज दिया गया है।

रुपयों के लेनदेन में दोस्तों ने छात्र की बेरहमी से की हत्या, जांच में जुटी पुलिस

हरदोई । जिले के पाली थानाक्षेत्र में रुपये के लेनदेन को लेकर दोस्तों ने ही दोस्त की गला रेतकर निर्मम हत्या कर दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पाली कस्बा के मोहल्ला शेखसराय निवासी हस्सान (12) कक्षा चार का छात्र था। पढ़ाई के साथ–साथ वह रेफ्रिजरेटर मकैनिक का काम भी सीख रहा था। उसकी दोस्ती मोहल्ले के 3 लड़कों से थी। चारो के बीच बीते कुछ दिनों से रुपये के लेनदेन को लेकर मनमुटाव चल रहा था। शुक्रवार रात हस्सान ताजिया देखने गया। जहां उसका रुपये को लेकर विवाद हो गया। आसपास मौजूद लोगों ने विवाद खत्म करा दिया। आरोप है कि तीनों लड़कों ने शुक्रवार रात करीब बारह बजे हस्सान को उसके घर से 500 मीटर दूर दक्षिण दिशा में एक तालाब के किनारे ले जाकर बेहरमी से उसका गला रेत कर हत्या कर दी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना के बाद से परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। हस्सान की मां चंदा ने बताया कि वह दो भाइयों में सबसे छोटा था। पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी एडिशनल

पश्चिमी दुर्गेश सिंह, सीओ शाहाबाद हेमंत उपाध्याय ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि रुपये लेनदेन को लेकर हत्या की गई है। घटनास्थल से चाकू बरामद किया गया है, पुलिस छानबीन में जुटी हुई है।

'बालिका स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत कार्यशाला तथा योगा प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन'

'हमीरपुर'–राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय हमीरपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम एवं इकाई द्वितीय के द्वारा बालिका स्वास्थ्य शिविर के अंतर्गत स्वास्थ्य स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम में किशोरियों में मासिकधर्म अभ्यास विकसित करने संबंधी कार्यशाला तथा योगा प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई प्रथम की कार्यक्रम अधिकारी डॉ.शालिनी ने किया। मुख्य वक्ता के रूप में वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ.सबा कौसर ने अपने संबोधन में छात्राओं को मासिक धर्म के दौरान होने वाली विभिन्न समस्याओं के बारे में अवगत कराते हुए स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की बात कही,

साथ ही उन्होंने आयरन से युक्त चीजें अपने भोजन में ग्रहण करने की हिदायत दी । डॉ.ज्योति यादव ने विशिष्ट वक्ता के रूप में मासिक धर्म के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। मृदुलता सोनकर ने छात्राओं को योगाभ्यास कराते हुए योग के फायदों के बारे में बताया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकों में डॉ. अशोक बाबू ,नरेश कुमार व लवकुश कुमार आदि ने भी अपने विचार रखे । शिक्षणेत्तर कर्मचारियों में श्रीमती प्रतिमा चौहान, श्रीमती सुषमा कुशवाहा ,परिचारिका श्रीमती ज्ञानवती आदि उपस्थित रहीं।

'जिलाधिकारी व एसपी की अगवाई में हर घर तिरंगा यात्रा रैली को मौदहा एसडीएम ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना'

हमीरपुर'– जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक की अगुवाई में निकाली गई राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव की हर घर तिरंगा यात्रा रैली उप जिलाधिकारी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना। शासन के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पर्व स्वतंत्रता दिवस अमृत महोत्सव के रूप में मनाने के निर्देशानुसार हर घर तिरंगा यात्रा रैली निकालकर नन्हे–मुन्ने बच्चों ने देश प्रेम का संदेश देकर किया लोगों को जागरूक। तिरंगा यात्रा रैली का शुभारंभ मौदहा विकासखंड परिसर से शुरू हुआ जहां नगर के तमाम विद्यालयों के नन्हे–मुन्ने बच्चों ने हाथों में तिरंगा ले सर पर तिरंगा की टोपी लगाए व हाथों में देश प्रेम के जज्बे से भरे नारे लिखी तख्तियां ले जिला अधिकारी के आने का करते रहे इंतजार बताते चलें कि आज नगर में जिला स्तरीय संपूर्ण समाधान दिवस जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आयोजित होना था जिसमें जिला अधिकारी के आने के संकेत मिलने पर शिक्षा विभाग ने रैली का आयोजन किया इसी रैली को सफल बनाने के लिए नन्हे–मुन्ने बच्चों ने रंग बिरंगे परिधानों से सुसज्जित हो हाथों में तिरंगा व देश प्रेम के जज्बे से ओतप्रोत नारे लिखी तख्तियां ले ब्लॉक परिसर में एकत्र हुए और जिला अधिकारी डॉक्टर चंद्र भूषण त्रिपाठी व पुलिस अधीक्षक शुभम पटेल के आने के उपरांत उनका स्वागत किया गया ।